

## सीएमपीडीआई की विशिष्ट/प्रमुख उपलब्धियां (2024-25)

- 21 भूवैज्ञानिक रिपोर्टों के माध्यम से लगभग 270 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र को शामिल कर विस्तृत गवेषण के माध्यम से प्रमाणित श्रेणी में लगभग 7.5 बिलियन टन कोयला संसाधन जोड़े गए।
- इसके अतिरिक्त, 9 भूवैज्ञानिक रिपोर्टों के माध्यम से लगभग 208 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र को शामिल कर प्रमोशनल (रिजनल) गवेषण के माध्यम से लगभग 7.4 बिलियन टन नए कोयला संसाधनों (इंडीकेटेड एवं इंफर्ड श्रेणी में) का अनुमान लगाया गया।
- इसके अलावा, 1 भूवैज्ञानिक रिपोर्ट के माध्यम से लगभग 166 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र को शामिल कर इंडीकेटेड श्रेणी में लगभग 75 मिलियन टन लिग्नाइट संसाधन जोड़े गए।
- 2024-25 में सिस्मिक सर्वेक्षण गतिविधियों में महत्वपूर्ण वृद्धि देखी गई। सीएमपीडीआई ने विभागीय संसाधनों का उपयोग करके 300.02 लाइन किमी का 2डी सर्वेक्षण किया जो पिछले वर्ष की तुलना में 46% की वृद्धि को दर्शाता है। इसके अतिरिक्त, आउटसोर्सिंग के माध्यम से सीएमपीडीआई ने 137.93 लाइन किमी 2डी सर्वेक्षण किया। कुल मिलाकर सीएमपीडीआई ने पिछले वर्ष की तुलना में 87% की प्रभावशाली वृद्धि के साथ 2024-25 में 437.95 लाइन किमी 2डी सिस्मिक सर्वेक्षण किया।
- सीएमपीडीआई ने पिछले वर्ष की तुलना में 17% की वृद्धि के साथ वर्ष 2024-25 के दौरान 10.0 लाख मीटर के एमओयू लक्ष्य की तुलना में लगभग 10.115 लाख मीटर ड्रिलिंग की।
- कोयला मंत्रालय की सेंट्रल सेक्टर स्कीम (सीएसएस) के तहत गैर-सीआईएल ब्लॉकों में 4.30 लाख मीटर के लक्ष्य की तुलना में वर्ष 2024-25 के दौरान लगभग 4.46 लाख मीटर ड्रिलिंग की गई। 11 भूवैज्ञानिक रिपोर्टों के माध्यम से लगभग 130 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र को शामिल कर गैर-सीआईएल ब्लॉकों में विस्तृत गवेषण के माध्यम से प्रमाणित श्रेणी में लगभग 3.9 बिलियन टन कोयला संसाधन जोड़े गए।
- विशेष रूप से, नॉन-कोरिंग ड्रिलिंग के पूरक के रूप में विभागीय स्तर पर लगभग 2.12 लाख मीटर भूभौतिकीय लॉगिंग की गई।
- सीएमपीडीआई ने विस्तृत गवेषण के तहत 98 ब्लॉकों/खानों में कोयला/लिग्नाइट के लिए गवेषणात्मक ड्रिलिंग की और कोयले में क्षेत्रीय गवेषण के तहत लगभग 38 ब्लॉकों में गवेषण किया। इसके अतिरिक्त, 1 ब्लॉक में बॉक्साइट के लिए क्षेत्रीय गवेषण भी किया गया।

- कोयला ब्लॉकों में गवेषण के लिए 23 प्रस्तावों (जी2/जी3/जी4) को एनएमईटी द्वारा अनुमोदित किया गया था। इनमें से 16 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं, 4 प्रगति पर हैं और 3 को छोड़ दिया गया है। 274 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में इंडीकेटेड एवं इंफर्ड श्रेणी में लगभग 2 बिलियन टन कोयला संसाधन जोड़े गए।
- एनएमईटी फंडिंग के तहत, इसके अतिरिक्त, बॉक्साइट गवेषण के लिए तीन प्रस्तावों को मंजूरी दी गई और तीनों परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं। बेस मेटल (Cu, Pb और Zn) में गवेषण के लिए एक परियोजना भी पूरी हो गई है, जबकि मैग्नेटाइट में गवेषण के लिए एक और परियोजना वर्तमान में प्रगति पर है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में, सीएमपीडीआई ने झारखण्ड राज्य में बॉक्साइट के लिए 1 भूवैज्ञानिक रिपोर्ट के माध्यम से विभिन्न ग्रेड के लगभग 65 मिलियन टन नेट इन-सीट बॉक्साइट संसाधन और 19 मिलियन टन नेट इन-सीट एल्यूमिनस लेटराइट संसाधन की स्थापना की है। इस ब्लॉक में  $TiO_2$  और  $V_2O_5$  की भी रिपोर्ट की गई है। इसके अलावा, एनएमईटी फंडिंग के माध्यम से कार्यान्वयन के लिए डीजीओ, उड़ीसा द्वारा ग्रेफाइट की खोज के लिए 2 ब्लॉक भी प्रदान किए गए हैं।
- सीएमपीडीआई ने कोयला और लिग्नाइट गवेषण पर एक व्यापक रणनीति तैयार की है, जिसका अनावरण माननीय कोयला मंत्री द्वारा नवंबर, 2024 में कोल इंडिया लिमिटेड के 50वें स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर किया गया था। इस रिपोर्ट में कोयले और लिग्नाइट की भविष्य की खोज आवश्यकताओं, गवेषण के लिए वार्षिक ढांचे और स्थायी संसाधन उपयोग के लिए नीति सुधारों पर ध्यान केंद्रित किया गया है।
- सीएमपीडीआई ने 35 टोपोशीट में एनजीपीएम कार्य करने के लिए जीएसआई के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किया है। इस पहल का समर्थन करने के लिए, सीएमपीडीआई ने तीन ग्रेविमीटर (CG-6 मॉडल, मेसर्स सिंट्रेक्स, कनाडा) और एक एक्सेलरेटेड वेट ड्रॉप (HGS 500 मॉडल, मेसर्स एचजीएस इंडिया), एक मध्यम दूरी के सिस्मिक स्रोत की खरीद की है, जिससे इसके सिस्मिक उपकरण बेड़े का विस्तार हुआ है। इससे सीएमपीडीआई की परिचालन क्षमता में वृद्धि हुई है।
- इसके अतिरिक्त, सीएमपीडीआई, क्षेत्रीय संस्थान-1 द्वारा राजमहल कोलफील्ड के पचवाड़ा नॉर्थ ब्लॉक, और कुआरडीह तीरत क्षेत्र (रातिबाती कोलियरी, ईसीएल) में धंसाव प्रवृत्त क्षेत्रों में खनन किए जा चुके क्षेत्रों का सीमांकन करने के लिए प्रतिरोधकता इमेजिंग सर्वेक्षण सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। खनन क्षेत्र में भूभौतिकीय तरीकों का यह अभिनव अनुप्रयोग अत्यधिक प्रभावी साबित हुआ है।
- सीएमपीडीआई के हाइड्रोजियोलॉजी अनुभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान कुल 230 रिपोर्ट तैयार की। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान 44 भूजल मॉडलिंग (जीडब्ल्यूएम) रिपोर्ट तैयार की गई है, जबकि पिछले वर्ष के दौरान 10 जीडब्ल्यूएम रिपोर्ट तैयार की

गई थी जिससे आउटसोर्सिंग के माध्यम से तैयार की गई जीडब्ल्यूएम रिपोर्ट की मात्रा में कमी हुई है।

- वर्ष के दौरान, एमओईएफसीसी, नई दिल्ली के विशेष अनुपालन के रूप में एनसीएल कमान क्षेत्र की वहन क्षमता अध्ययन रिपोर्ट तैयार की गई है और प्रस्तुत की गई है जो एक नए कार्यक्षेत्र के रूप में हाइड्रोजियोलॉजी तथा हाइड्रोलॉजी मॉडलिंग और प्रभाव मूल्यांकन दोनों को एकीकृत करती है।
- प्रति वर्ष 85 मीट्रिक टन कोयले की नियोजित क्षमता वाले गेवरा ओसी के विस्तार पीआर सहित 33 परियोजना रिपोर्ट तैयार की गई हैं।
- इसके अलावा, 29 फॉर्म-I/III/IV/VI और 19 ड्राफ्ट ईआईए/ईएमपी प्रस्तुत किए गए। खनन परियोजनाओं के लिए 26.87 एमटीवार्ड वृद्धिशील ईसी क्षमता और वाशरी परियोजनाओं के लिए 6.00 एमटीवार्ड क्षमता के लिए रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।
- सीएमपीडीआई ने वित्तीय वर्ष 23-24 में प्राप्त ₹1732.69 करोड़ की तुलना में 21% की ठोस वृद्धि दर्शाते हुए ₹2102.76 करोड़ की अपनी अब तक की सबसे अधिक कुल बिक्री दर्ज की है।
- कर पूर्व लाभ भी पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के ₹732.84 करोड़ की तुलना में 20% बढ़कर ₹882.14 करोड़ हो गया है।
- इसके अतिरिक्त, सीएमपीडीआई के कर पश्चात लाभ (पीएटी) में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के ₹503.23 करोड़ की तुलना में लगभग 33% की वृद्धि के साथ ₹666.91 करोड़ का कर पश्चात लाभ (पीएटी) अर्जित किया गया है।
- सीआईएल की विभिन्न खानों के लिए नियंत्रित विस्फोटन और कंपन अध्ययन के लिए वैज्ञानिक अध्ययन पर 18 रिपोर्ट तैयार की गई ताकि आसपास के आवासों/महत्वपूर्ण संरचनाओं की रक्षा की जा सके और लॉकड-अप कोयले को सुरक्षित रूप से निकाला जा सके।
- सीआईएल की खानों में उपयोग किए जा रहे बल्क एक्सप्लोसिव्स और कार्ट्रिज एक्सप्लोसिव्स तथा सहायक उपकरणों का रैंडम सैम्पलिंग और टेस्टिंग पूरे वर्ष किया गया। सीआईएल की विभिन्न खानों के लिए ब्लास्टिंग मापदंडों के अनुकूलन/पाउडर फैक्टर के निर्धारण से संबंधित वैज्ञानिक अध्ययन पर 23 (पैच) रिपोर्ट भी तैयार की गई।
- विभिन्न निर्माताओं द्वारा बाहरी ग्राहकों की खानों में आपूर्ति किए गए विस्फोटकों और सहायक उपकरणों का निष्पादन मूल्यांकन किया गया और इस संबंध में 11 रिपोर्ट तैयार की गई।

- सीएमपीडीआई हाई रिजोल्यूशन उपग्रह डाटा के आधार पर नियमित रूप से सीआईएल खदानों की लैंड रिक्लेमेशन मानिटरिंग कर रहा है। वर्ष 2024-25 में, सीआईएल की विभिन्न सहायक कंपनियों के तहत कुल 114 परियोजनाओं की लैंड रिक्लेमेशन मानिटरिंग पूरी हो गई है जिसमें 5 मिलियन क्यूबिक मीटर (कोयला + ओबी) श्रेणी से अधिक का उत्पादन करने वाली 75 ओपनकास्ट परियोजनाएं और 5 मिलियन क्यूबिक मीटर (कोयला + ओबी) श्रेणी से कम का उत्पादन करने वाली 39 खदानों/क्लस्टर शामिल हैं।
- कोयला क्षेत्रों में भूमि उपयोग/वनस्पति आवरण पर खनन के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए हाई रिजोल्यूशन उपग्रह डेटा के आधार पर सीआईएल कोलफील्ड्स की वनस्पति आच्छादन मानचित्रण नियमित रूप से की जा रही है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, छह कोलफील्ड्स अर्थात् सिंगरौली (एनसीएल), पूर्वी बोकारो और वेस्ट बोकारो (सीसीएल), कोरबा (एसईसीएल), करणपुरा (सीसीएल) और बांदर कोलफील्ड (डब्ल्यूसीएल) का वनस्पति आच्छादन मानचित्रण का काम पूरा हो चुका है।
- वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान उपग्रह डेटा के आधार पर सीआईएल की विभिन्न सहायक कंपनियों के अधीन 21 परियोजनाओं के कोर और बफर जोन का भूमि उपयोग/आच्छादन मानचित्रण पूरी कर ली गई है।
- नीलामी के लिए विचारित कोयला ब्लाकों के लिए डीएसएस विश्लेषण कार्य आवश्यकता पड़ने पर किया जाता है। डीएसएस विश्लेषण के माध्यम से, वन्य जीव गतिशीलों, अभ्यारणयों, पर्यावरण-संवेदनशील क्षेत्रों आदि से उनकी निकटता के संबंध में ब्लॉकों की पर्यावरणीय स्थिति का आकलन किया जाता है।
- पीएम गति शक्ति परियोजना (राष्ट्रीय मास्टर प्लान):
  - ✓ सीएमपीडीआई कोयला मंत्रालय के लिए भास्कराचार्य नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस एप्लीकेशन एंड जियो इंफॉर्मेटिक्स, गांधीनगर (बीआईएसएजी-एन) के साथ पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान पोर्टल पर एमओसी पेज के विकास का समन्वय और सुविधा प्रदान कर रहा है।
  - ✓ सीएमपीडीआई, बीआईएसएजी-एन के साथ समन्वय से, पीएमजीएस-एनएमपी पोर्टल पर विभिन्न टूल्स के विकास में भी शामिल है जिसका उपयोग माइन प्लानिंग सहित विभिन्न विश्लेषणात्मक उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है।
  - ✓ सीएमपीडीआई आगामी और विस्तार परियोजनाओं के विश्लेषण के लिए भी पीएमजीएस-एनएमपी पोर्टल का उपयोग कर रहा है और विभिन्न सहायक कंपनियों की 22 परियोजनाओं के लिए परियोजनावार रिपोर्ट तैयार की गई है।
  - ✓ एक व्यापक मानक संचालन प्रक्रिया तैयार की गई जिसमें परत विवरण, विशेषताएं, जिम्मेदारियां और उपयोगकर्ताओं के लिए दिशानिर्देश शामिल थे।

- **कोयला खान निगरानी और प्रबंधन प्रणाली:** सीएमपीडीआई, बीआईएसएजी-एन के सहयोग से 'कोयला खान निगरानी और प्रबंधन प्रणाली' की साइट के रख-रखाव और सुचारू कामकाज को सुनिश्चित कर रहा है साथ ही संबंधित मोबाइल ऐप, 'खनन प्रहरी' को अपडेट भी कर रहा है। सिस्टम द्वारा ऑटो-जेनरेटेड मासिक रिपोर्ट संबंधित को भेजी जा रही है।
- **फायर मैपिंग:** सीएमपीडीआई को 5 साल के लिए वार्षिक आधार पर थर्मल इमेजरी के माध्यम से चिरमीरी ओसीएम में फायर स्पॉट का पता लगाने और पहचानने का काम सौंपा गया है। नवंबर 2024 की थर्मल इन्फ्रारेड इमेजरी पर आधारित रिपोर्ट पहले ही तैयार की जा चुकी है और प्रस्तुत की जा चुकी है। मेसर्स अंजन माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड की अंजन हिल खान के लिए भी इसी तरह का अध्ययन किया गया।
- **सीआईएल के लिए वन कैनोपी घनत्व (एफसीडी) का अध्ययन:** सेंटिनल 2A उपग्रह डेटा का उपयोग करते हुए एफसीडी मूल्यांकन और एसीए भूमि के लिए अन्य शर्तों के संबंध में सभी सहायक कंपनियों के लिए एक अध्ययन किया गया है।
- 1 एमटीवाई से अधिक उत्पादन करने वाली सभी आउटसोर्स और विभागीय ओसी खानों का ओबीआर माप और 1 एमटीवाई से कम उत्पादन करने वाले ओसी खानों (केवल हायर्ड पैच) का वार्षिक माप पूरा हो चुका है और रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी है।
- सीएमपीडीआई के पास स्थलाकृतिक मानचित्रण, कोयला खदान अग्नि मानचित्रण, वनस्पति आच्छादन मानचित्रण, निपटान मानचित्रण, वृक्षारोपण ऊर्चाई मूल्यांकन और खनन से संबंधित अन्य गतिविधियों के लिए पूरी तरह से परिचालन ड्रोन आधारित क्षमता है।
- सीएमपीडीआई ने कोयला मंत्रालय के निर्देश के अनुसार कोयला ब्लॉकों के फ्लाई थ्रू वीडियो तैयार करने के लिए नीलामी किए जाने वाले कोयला ब्लॉकों के लिए ड्रोन आधारित स्थलाकृतिक सर्वेक्षण का काम शुरू कर दिया है। यह क्षेत्र की बेहतर समझ और यथाशीघ्र ब्लॉक के विकास की योजना के लिए संभावित बोलीदाताओं को पूरे ब्लॉक क्षेत्र का एक व्यापक दृश्य प्रदान करता है।
- नीलामी के 11वें चरण के तहत सभी कोयला ब्लॉकों का डीजीपीएस सर्वेक्षण शुरू किया गया है।
- राजस्थान और बिहार राज्य में मानसून पूर्व और मानसून के बाद की अवधि में रेत पुनःपूर्ति अध्ययन किया गया है।
- ₹26 करोड़ के एमओयू लक्ष्य के मुकाबले लगभग ₹31.94 करोड़ का कैपेक्स हासिल किया गया है।

- सीएमपीडीआई ने रांची स्थित सीएमपीडीआई परिसर में राष्ट्रीय कोयला और ऊर्जा अनुसंधान केंद्र (एनएसीसीईआर)- चरण-1 की स्थापना की है, जिसका उद्घाटन माननीय कोयला मंत्री द्वारा 07.10.2024 को कोयला और ऊर्जा क्षेत्र के डोमेन में अनुसंधान करने के लिए किया गया था ताकि अत्याधुनिक अनुसंधान, नवाचार और सहयोग के माध्यम से राष्ट्र की ऊर्जा मांग को स्थायी रूप से पूरा किया जा सके। एनएसीसीईआर कार्यान्वयन या उप-कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी/अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं में भाग लेगा।
- एनएसीसीईआर के महत्वपूर्ण योगदान के साथ, कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (इंडियन स्कूल ऑफ माइंस) [आईआईटी-आईएसएम]-टेक्स्मीन के बीच 28.8.2024 को कोयला और ऊर्जा से संबंधित प्रक्रियाओं, प्रौद्योगिकियों, उत्पादों आदि के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास (जिसमें इंजीनियरिंग, डिजाइनिंग और सिमुलेशन की प्रक्रिया शामिल है लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं है) में वैज्ञानिक सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।
- एनएसीसीईआर ने 7.3.2025 को कोल इंडिया लिमिटेड और आईआईटी-हैदराबाद के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो स्वच्छ कोयला ऊर्जा और नेट जीरो (क्लीन्ज) के केंद्र के नाम पर उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) के निर्माण पर केंद्रित है।
- **फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी (एफएमसी) परियोजनाएं:**
  - ✓ पहले चरण में, 382.5 एमटीवाई की क्षमता वाली 33 फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी (एफएमसी) परियोजनाओं को सीआईएल द्वारा शुरू किया गया था, जिसमें सीएमपीडीआई ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और रिकॉर्ड समय में सभी परियोजनाओं के लिए एनआईटी प्रस्तुत किया। 15 परियोजनाएं पहले ही चालू हो चुकी हैं और शेष परियोजनाएं निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं।
  - ✓ एफएमसी-II में 57 एमटीवाई की क्षमता वाली 8 एफएमसी परियोजनाओं की पहचान की गई है, जिनमें से 7 परियोजनाओं के लिए अंतिम एनआईटी प्रस्तुत किया गया है और 1 परियोजना के लिए अंतिम एनआईटी तैयार किया जा रहा है।
  - ✓ एफएमसी-III में 324 एमटीवाई की क्षमता वाली 17 एफएमसी परियोजनाओं की पहचान की गई है, जिनमें से सीएमपीडीआई 9 परियोजनाओं के एनआईटी की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इनमें से 1 परियोजना चालू हो चुकी है, 2 परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं, 2 परियोजनाओं के लिए अंतिम एनआईटी प्रस्तुत किया गया है और 4 परियोजनाओं का एनआईटी तैयार किया जा रहा है। शेष 8 परियोजनाएं एमडीओ मोड में हैं।
  - ✓ एफएमसी के चौथे चरण में, 74 एमटीवाई की क्षमता वाली 14 परियोजनाओं की पहचान की गई है, जिनमें से सीएमपीडीआई 9 परियोजनाओं के लिए एनआईटी

तैयार करेगा। दो परियोजनाओं के लिए एनआईटी प्रस्तुत किए गए हैं और अन्य 7 को सीआईएल की समय-सीमा के अनुसार तैयार किया जाएगा।

- ✓ सीएमपीडीआई ने एमओसी और सीआईएल के निर्देशानुसार 20 निर्माणाधीन एफएमसी परियोजनाओं के लिए तीसरे पक्ष से गुणवत्ता ऑडिट कराया है और सीआईएल की संबंधित सहायक कंपनियों को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की है।
- **मॉडल एमडीओ दस्तावेजों का निर्माण और अंतिम रूप देना:**
  - ✓ सीएमपीडीआई ने खुली खदानों, भूमिगत खदानों, बंद/परित्यक्त खदानों और रिजनल रूप से खोजे गए खुली खदान कोयला ब्लॉकों की एमडीओ परियोजनाओं के लिए मॉडल निविदा दस्तावेजों के निर्माण और अंतिम रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
  - ✓ 157.7 एमटीवाई क्षमता वाली 16 ग्रीन फील्ड परियोजनाओं (13 ओसी और 3 यूजी) के लिए लेटर ऑफ अवार्ड जारी किया गया है और कुछ परियोजनाएं प्रगति के विभिन्न चरणों में हैं।
  - ✓ सीआईएल की 36 बंद/परित्यक्त खदानों को राजस्व साझाकरण के आधार पर एमडीओ निविदाओं के लिए चुना गया था। 36 खानों में से, 39.5 एमटीवाई प्रस्तावित क्षमता वाली 25 खदानों को आवंटित किया गया है और शेष खदानों प्रगति के विभिन्न चरणों में हैं।
- **वाणिज्यिक खनन के लिए कोयला ब्लॉक की नीलामी:**

कोयला मंत्रालय द्वारा वाणिज्यिक खनन के लिए कोयला ब्लॉकों की नीलामी में सीएमपीडीआई ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नीलामी किए जाने वाले कोयला ब्लॉकों की पहचान करने में, सीएमपीडीआई ने सतह की बाधाओं, भू-तकनीकी कारकों, संभावित बोलीदाताओं की राय एकत्र करने आदि के अध्ययन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। नीलामी के विभिन्न चरणों के लिए एमओसी द्वारा चयनित कोयला ब्लॉकों के लिए सीएमपीडीआई द्वारा खदान डोजियर और खदान सारांश प्रस्तुत किए गए। इसके अतिरिक्त, इन सभी कोयला ब्लॉकों के लिए सीएमपीडीआई द्वारा निविदा उद्देश्य के लिए महत्वपूर्ण इनपुट डेटा भी एमओसी को उपलब्ध कराया गया। कोयला मंत्रालय द्वारा नीलामी के 11वें चरण तक 126 कोयला ब्लॉकों की सफलतापूर्वक नीलामी की जा चुकी है।
- **पर्यावरण सेवाएं:**
  - ✓ सीआईएल की 303 परियोजनाओं/क्लस्टरों/प्रतिष्ठानों (ईसीएल-16, बीसीसीएल-17, सीसीएल-74, डब्ल्यूसीएल-75, एसईसीएल-78, एनसीएल-13, और एमसीएल-30) की पर्यावरणीय निगरानी आसनसोल, धनबाद, नागपुर, बिलासपुर, भुवनेश्वर, हसदेव, जयंत और रांची में स्थित आठ पर्यावरणीय प्रयोगशालाओं के माध्यम से की गई।

- ✓ एमसीएल के एकीकृत लखनपुर-बेलपहाड़-लीलारी ओसीपी के लिए प्रस्तावित खनन गतिविधि के प्रभाव को कम करने के लिए मृदा नमी संरक्षण (एसएमसी) योजना प्रस्तुत की गई। इसके अलावा, सीसीएल के केदला ओसीपी और मगध ओसीपी के लिए शीर्ष मृदा प्रबंधन और मृदा कटाव योजना का मसौदा तैयार किया गया।
  - ✓ सीआईएल के लिए पुनः प्रयोज्य गतिविधियों हेतु डी-कोल्ड भूमि की पहचान के लिए एसओपी तैयार किया गया।
  - ✓ सीआईएल के इको पार्कों के मूल्यांकन पर मसौदा रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है।
  - ✓ ओबी के लाभकारी उपयोग पर एचपीईसी की रिपोर्ट कोयला मंत्रालय को प्रस्तुत की गई।
  - ✓ एमओसी/एमओईएफसीसी के लिए यूजी खानों के लिए ईसी प्रक्रिया के सरलीकरण के लिए ढांचा विकसित किया गया।
- **सीआईएल में कोल बेड मीथेन (सीबीएम) विकास:**
- ✓ बीसीसीएल लीजहोल्ड क्षेत्र के तहत झरिया सीबीएम ब्लॉक-I को मेसर्स प्रभा एनर्जी लिमिटेड (पीईएल) को प्रदान किया गया है, जो वर्तमान में गवेषण चरण में है, में न्यूनतम कार्य कार्यक्रम (एमडब्ल्यूपी) के 5 गवेषणात्मक कोर होल की ड्रिलिंग पूरी कर ली गई है।
  - ✓ बीसीसीएल लीजहोल्ड क्षेत्र के तहत झरिया सीबीएम ब्लॉक-II की परियोजना व्यवहार्यता रिपोर्ट को बीसीसीएल बोर्ड द्वारा अक्टूबर, 2024 में अनुमोदित किया गया है।
  - ✓ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परियोजना "कोल बेड मीथेन रिकवरी के कुण्ड विवरण एवं संख्यात्मक मॉडलिंग और कार्बन पृथक्करण के लिए संभावनाएं" की गतिविधियाँ पूरी हो गई हैं। इस परियोजना को आईआईटी मुंबई और सीएमपीडीआई द्वारा संयुक्त रूप से कार्यान्वित किया गया है। सिफारिशों के साथ मसौदा परियोजना रिपोर्ट को प्रस्तुत किया गया है।
  - ✓ सीबीएम और अन्य गैर-परंपरागत हाइड्रोकार्बन के अन्वेषण और विकास के लिए हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय (डीजीएच) के साथ संयुक्त रूप से हस्ताक्षरित समझौता जापन (एमओयू) के लिए सीएमपीडीआई बोर्ड की मंजूरी दी गई है।
- **कोयला गैसीकरण:**
- ✓ “भारतीय भू-खनन स्थितियों में भूमिगत कोयला गैसीकरण (यूसीजी) पर प्रौद्योगिकी स्थापित करने के लिए एक पायलट परियोजना” शीर्षक से एक यूसीजी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परियोजना सीएमपीडीआई, ईसीएल और एर्गो एक्सर्जी टेक्नोलॉजीज इंक (ईईटीआई), कनाडा द्वारा कार्यान्वित की जा रही है। इस परियोजना में दो (02)

चरण शामिल हैं। यूसीजी के संबंध में स्थल चयन, लक्षण वर्णन और तकनीकी व्यवहार्यता अध्ययन से जुड़ी चरण-I गतिविधियाँ पूरी हो चुकी हैं।

- ✓ भारत में भूमिगत कोयला गैसीकरण के विकास के संबंध में वैज्ञानिक सहयोग के लिए मेसर्स न्यूराइजर, ऑस्ट्रेलिया के साथ समझौता जापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने के लिए सीएमपीडीआई बोर्ड की मंजूरी प्रदान की गई है।
- **प्रयोगशाला अध्ययन:**
  - ✓ **सीबीएम लैब:** प्रमोशनल गवेषण कार्यक्रम के तहत, सीबीएम के लिए 16 बोरहोल और शेल गैस के लिए 5 बोरहोल में अध्ययन पूरा हो गया है।
  - ✓ **कोयला अभिनवक्षण प्रयोगशाला:**
    - रासायनिक प्रयोगशाला ने 60069 नमूनों (लक्ष्य का 104%) का विश्लेषण किया तथा नमूना तैयार करने के लिए 21072.62 मीटर (लक्ष्य का 124%) कोयला कोर का प्रसंस्करण किया।
    - गवेषण ब्लॉकों, एनएमईटी, वाशरी और सीबीएम से 960 नमूनों के लक्ष्य के मुकाबले कुल 969 नमूनों का पेट्रोग्राफिक अध्ययन के लिए विश्लेषण किया गया।
    - प्रयोगशाला ने गैर कोयला नमूना (बेस मेटल्स) तैयारी इकाई की स्थापना की है जिसमें वांछित नमूना आकार की आवश्यकताओं के नमूने तैयार करने के लिए कंपन कप मिल्स और स्वचालित जॉ क्रशर शामिल हैं जो सीएमपीडीआई में अपनी तरह की पहली इकाई है।
    - कोयला और गैर-कोयला में खनिज पहचान की प्रक्रिया के तहत, प्रयोगशाला ने पूरी तरह कार्यात्मक एक्सआरडी प्रयोगशाला सुविधाएं स्थापित की हैं।
  - ✓ **एमटी लैब:** वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान 5044 ड्रिल कोर नमूनों पर भौतिक-यांत्रिक गुणों (पीएमपी) के निर्धारण के लिए परीक्षण किए गए हैं।
- **परियोजना प्रबंधन परामर्श (पीएमसी) सेवाएं:**
  - ✓ आईआईसीएम में छात्रावास भवन का निर्माण कार्य प्रगति पर है।
  - ✓ एमसीएल के विभिन्न क्षेत्रों में विकसित किए जाने वाले अतिरिक्त बुनियादी ढांचे के साथ आवासीय और सेवा भवनों सहित कॉलोनियों के फेस-लिफिंग के लिए एसक्यूसी (पर्यवेक्षण और गुणवत्ता नियंत्रण) के साथ वास्तुशिल्प और संबद्ध परामर्श सेवाएं प्रगति पर हैं।
  - ✓ एमसीएल के विभिन्न स्थानों पर 3 इको पार्क के विकास के लिए एसक्यूसी (पर्यवेक्षण और गुणवत्ता नियंत्रण) के साथ वास्तुशिल्प और संबद्ध कार्य प्रगति पर है।

- ✓ (i) डब्ल्यूसीएल मुख्यालय में मल्टी लेवल कार पार्किंग सह ऑडिटोरियम का निर्माण, (ii) इंदोरा में मिनी स्टेडियम का निर्माण और (iii) डब्ल्यूसीएल के बानी क्षेत्र के अंतर्गत पुनवाट गांव में आवासीय क्वार्टरों सहित स्कूल का निर्माण प्रगति पर है।
  - ✓ सीसीएल में 4.0 मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र चालू किया गया है।
  - ✓ 6.05 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना की जा रही है।
  - ✓ सीसीएल, डब्ल्यूसीएल और एमसीएल के लिए 141.5 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र की कुल क्षमता के लिए निविदाएं जारी की गईं।
  - ✓ सीआईएल की विभिन्न सहायक कंपनियों के लिए 22.5 मेगावाट के सौर ऊर्जा संयंत्र के लिए डीपीआर/एनआईटी प्रस्तुत किया गया है।
- **आईएसओ परामर्श कार्य:**
- ✓ एनसीएल में आईएसओ/आईईसी 27001- सूचना सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली के कार्यान्वयन और प्रमाणन के लिए परामर्श।
  - ✓ कंपनी के एकीकृत प्रबंधन प्रणाली प्रमाणन को बनाए रखने के लिए सीसीएल, एनसीएल और एमसीएल को प्रमाणन के बाद सहायता कार्य।
  - ✓ सीसीएल की 5 इकाइयों में आईएसओ 50001:2018 ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली की स्थापना और रखरखाव में सीसीएल को परामर्श।
  - ✓ एनसीएल, एमसीएल और एनटीपीसी के लिए आईएमएस आंतरिक लेखा परीक्षक प्रशिक्षण।

▪ **सीआईएल के बाहर परामर्श सेवाएं:**

- ✓ **सीएमपीडीआई** ने परियोजनाओं की संख्या और अनुबंधों के मूल्य दोनों में प्रभावशाली वृद्धि के साथ सीआईएल (कोल इंडिया लिमिटेड) के बाहर अपनी परामर्श सेवाओं का विस्तार करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में अपनी उपलब्धियों और पहलों को सारांशित करने वाले कुछ प्रमुख बिंदु इस प्रकार हैं:
- ✓ **सेवाओं का विविधीकरण:** सीएमपीडीआई ने सीआईएल से परे सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों, सरकारी संस्थाओं (केंद्र और राज्य दोनों) और निजी एजेंसियों को लक्षित करते हुए अपनी परामर्श सेवाओं में विविधता जारी रखी है। पिछले सात वित्तीय वर्षों में, सीएमपीडीआई ने मात्रा और मूल्य दोनों में काम का सबसे बड़ा हिस्सा हासिल किया है।
- ✓ **प्रस्तावों और कार्यों में वृद्धि:**
  - सीएमपीडीआई ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान ग्राहकों को ₹252.32 करोड़ के 213 जॉब ऑफर दिए, जो वर्ष-दर-वर्ष 50% की वृद्धि को दर्शाता है।

- कंपनी ने सीआईएल के बाहर से ₹130.03 करोड़ मूल्य के 140 परामर्श कार्य हासिल किए, जो वर्ष दर वर्ष 28.91% की वृद्धि को दर्शाता है।
- ✓ **सफलतापूर्वक पूरे किए गए कार्य :** सीएमपीडीआई ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान ₹22.89 करोड़ मूल्य के 95 कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया।
- ✓ **ग्राहक आधार का विस्तार:** सीएमपीडीआई ने सीआईएल के बाहर अपने ग्राहक आधार का काफी विस्तार किया है, वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान 50 से अधिक नए ग्राहकों को जोड़ा गया है।
- ✓ **प्रमुख ग्राहक:** वित्तीय वर्ष 2024-25 में सीएमपीडीआई द्वारा सेवा प्रदान किए गए कुछ प्रमुख ग्राहकों में रुग्टा संस प्राइवेट लिमिटेड, गुजरात मिनरल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड, डब्ल्यूबीपीडीसीएल (पश्चिम बंगाल पावर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड), राजस्थान स्टेट मिनरल एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट, बुल माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड, ट्रेंटी फस्ट सेंचुरी माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड, टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, टीपीजीसीएल, सीईएससी लिमिटेड और बिहार सरकार शामिल हैं।
- 'हैकाथॉन ऑन कोल गैसीफिकेशन' और 'हैकाथॉन ऑन आर एंड डी' पर वेबसाइटें विकसित की गईं।
- सीएमपीडीआई ने एनआईसी के सहयोग से ई-नीलामी मंच विकसित किया है और जून 2023 से सीआईएल की सहायक कंपनियों के लिए सिंगल विंडो मोड एग्नोस्टिक सिस्टम पर कोयला ई-नीलामी शुरू की है। इस पोर्टल का औपचारिक रूप से 03.10.2023 को कोयला मंत्रालय के सचिव द्वारा उद्घाटन किया गया था। मार्च 2025 तक, 7000 से अधिक बोलीदाताओं ने कोयला ई-नीलामी पोर्टल में खुद को पंजीकृत किया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में, सीएमपीडीआई ने सीआईएल की सभी सहायक कंपनियों के लिए 88 मिलियन टन से अधिक कोयले के लिए 150 ई-नीलामी सफलतापूर्वक आयोजित की है। एसडब्ल्यूएमए कोयला ई-नीलामी योजना में एक बड़ा बदलाव है और संशोधित योजना के अनुसार कोयला नीलामी आयोजित करने के लिए नीलामी योजना में किए गए परिवर्तनों को समायोजित करने के लिए पोर्टल विकास के अधीन है। दिसंबर 2024 से, सीएमपीडीआई के पोर्टल में ई-नीलामी बंद कर दी गई है। पोर्टल संशोधित योजना के अनुसार नीलामी आयोजित करने के लिए बहुत जल्द तैयार हो जाएगा।
- एनसीएल, सीसीएल, ईसीएल और डब्ल्यूसीएल की विभिन्न खानों के एचईएमएम और सीएचपी के एनडीटी कार्य वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए सफलतापूर्वक पूरे किए गए। इसके अलावा, मैग्नेटिक फ्लक्स लीकेज (एमएफएल) विधि (सीएमपीडीआई की एनएबीएल मान्यता प्राप्त एनडीटी प्रयोगशाला का नया अतिरिक्त दायरा) के माध्यम से डब्ल्यूसीएल और एसईसीएल की विभिन्न यूजी खानों की मैन राइडिंग/चेयर कार लिफ्ट सिस्टम का स्टील वायर रोप परीक्षण भी वित्तीय वर्ष 2024-25 में सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

- **सीएमपीडीआई, रांची में 5जी सीओई यूज केस टेस्ट लैब की स्थापना:** सीएमपीडीआई ने 5जी मिशन क्रिटिकल कम्युनिकेशंस, 5जी एआई आधारित वायरलेस सीसीटीवी सिस्टम, कोयला खदानों की 5जी ड्रोन आधारित रिमोट मॉनिटरिंग, 5जी कनेक्टेड पर्यावरण सेंसर्स और 5जी व्हीकल आईओटी डिवाइस और सेंसर्स जैसे 5जी यूज केसेज का परीक्षण और परिष्कृत करने के लिए सीएमपीडीआई मुख्यालय, रांची में लैब स्केल 5जी कैप्टिव नॉन-पब्लिक नेटवर्क (सीएनपीएन) के साथ एक समर्पित "5जी यूज केस टेस्ट लैब" की स्थापना की गई है। 5जी सीओई टेस्ट लैब का उद्घाटन माननीय कोयला मंत्री द्वारा 09.01.2025 को किया गया था।
- **कोयला खनन क्षेत्र के लिए समर्पित 5जी यूज केस के साथ 5जी कैप्टिव गैर-सार्वजनिक नेटवर्क (सीएनपीएन) का प्रदर्शन:** सीएमपीडीआई ने 15 से 19 अक्टूबर, 2024 तक भारतीय मोबाइल कांग्रेस-2024, नई दिल्ली में कोयला खनन क्षेत्र के लिए समर्पित 5जी उपयोग के मामले के साथ 5जी कैप्टिव गैर-सार्वजनिक नेटवर्क (सीएनपीएन) को प्रदर्शित करके कोयला खनन क्षेत्र में 5जी प्रौद्योगिकी के कार्यान्वयन का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया है। इस मोबाइल कांग्रेस में, 5जी उपयोग के मामलों में 5जी मिशन महत्वपूर्ण संचार, 5जी एआई आधारित वायरलेस सीसीटीवी प्रणाली, 5जी ड्रोन आधारित कोयला खानों की रिमोट मॉनिटरिंग, 5जी कनेक्टेड पर्यावरण सेंसर और 5जी वाहन आईओटी डिवाइस और सेंसर और कोयला खदानों के 3डी विज़ुअलाइज़ेशन के लिए वर्चुअल रियलिटी (वीआर) एप्लिकेशन शामिल हैं।
- **एनसीएल, सिंगरौली के अमलोहरी ओपनकास्ट माइंस में खुली खदानों में एकीकृत आवाज, वीडियो और डेटा संचार के लिए 5जी कैप्टिव नॉन-पब्लिक नेटवर्क (सीएनपीएन) का कार्यान्वयन किया जा रहा है, जिसमें पूर्ण खदान पैमाने पर 5जी सीएनपीएन की तैनाती की जा रही है, जिसमें खदान पैमाने पर 5जी आधारित उपयोग के मामले शामिल हैं, जैसे निजी 5जी पर आवाज और वीडियो संचार, 5जी सक्षम निगरानी कैमरे के साथ कोयला खदानों की निगरानी और ट्रैकिंग, वाहन ट्रैकिंग और स्वास्थ्य निगरानी प्रणाली, कोयला खदानों के 3डी विज़ुअलाइज़ेशन के लिए वर्चुअल रियलिटी (वीआर) अनुप्रयोग, खदान वाहनों के लिए 5जी सी-वी2एक्स आधारित टक्कर से बचाव प्रणाली, हॉल रोड क्रॉसिंग पर 5जी कैमरा के साथ एआई संचालित यातायात नियंत्रण और कोयला खदानों में लोड-हॉल-डंप प्रक्रिया का डिजिटल ट्रैकिंग।**
- **अनुसंधान एवं विकास पर हैकाथन:** सीएमपीडीआई ने 2023-24 में 5 समस्या वक्तव्यों में "अनुसंधान एवं विकास पर हैकाथन" का सफलतापूर्वक आयोजन किया था। इनमें से, 3 आरएंडडी प्रस्ताव अर्थात (i) ऑपरेटर के केबिन में प्रदर्शित लोडिंग उपकरण (शॉवेल/एक्सकेवेटर्स) की पेलोड निगरानी - राजमहल ओसीपी, ईसीएल में; (ii) ओपनकास्ट खानों में धूल दमन का अनुकूलन - सोनपुर बाजार ओसीपी, ईसीएल और (iii) संरचनाओं में दरारों के प्रसार पर विस्फोट के प्रभाव का पता लगाने के लिए प्रौद्योगिकी - एनसीएल की खानों में एमओसी द्वारा स्वीकृत किए गए और कार्यान्वयन के अधीन हैं।

- सीएमपीडीआई ने देश की ऊर्जा और रासायनिक जरूरतों को पूरा करने, आर्थिक स्वतंत्रता और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन का दोहन करने के लिए छह (6) समस्या वक्तव्यों में "कोयला गैसीकरण पर हैकाथन" का आयोजन किया। माननीय कोयला राज्य मंत्री, श्री सतीश चंद्र दुबे द्वारा 04.10.2024 को प्रत्येक समस्या वक्तव्य के लिए शीर्ष 3 विजेता टीमों को उनके उत्कृष्ट वैचारिक समाधानों के लिए सम्मानित किया गया था।
- एमओसी की ओर से सीएमपीडीआई ने एआईसीटीई-शिक्षा मंत्रालय के स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन (एसआईएच) 2024 के आयोजन में योगदान दिया। 3 सॉफ्टवेयर संस्करण और 1 हार्डवेयर संस्करण सहित 4 समस्या विवरण की पहचान की गई थी जिसमें 500 से अधिक समाधान प्राप्त हुए थे जिनकी सीएमपीडीआई के विशेषज्ञों के पैनल द्वारा जांच की गई थी। सीएमपीडीआई विशेषज्ञों द्वारा शॉर्टलिस्ट किए गए प्रस्तावों का भी मूल्यांकन किया गया।
- सीएमपीडीआई ने एमसीएल में रिजेक्ट आधारित बिजली संयंत्र के साथ गैर-कोकिंग कोयला वाशरी की स्थापना की संभावनाओं पर अवधारणा नोट तैयार किया, जिसके आधार पर एमसीएल में एकीकृत कुलदा-गरजनबहल गैर-कोकिंग कोल वाशरी की स्थापना के लिए व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार करने के लिए कार्य आदेश प्रदान किया गया है।
- सीसीएल के मौजूदा केदला वाशरी (2.6 एमटीवाई) के नवीनीकरण के लिए विस्तृत अध्ययन रिपोर्ट तैयार की गई।
- सीएमपीडीआई ने (i) एसिडिक डीवाटरिंग पाइप और सिस्टम के लिए एक एंटी-कोरोजन कोटिंग और (ii) हाइपरस्पेक्ट्रल इमेजिंग का उपयोग करके कोयले के नमूने के गुणवत्ता मापदंडों को निर्धारित करने की विधि के लिए 2 बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) के लिए पंजीकरण किया है। इसके अलावा, "एक इंस्ट्रॉमेंटेड बोल्ट जिसमें निर्दिष्ट स्थानों पर स्ट्रेन को मापा जा सकता है" के लिए एक आईपीआर प्राप्त की गई है।
- सीएमपीडीआई ने चित्रा ओसीपी, ईसीएल में एक बिजली संरक्षण अध्ययन सफलतापूर्वक पूरा किया है और चित्रा ओसीपी, ईसीएल के पर्याप्तता जोखिम मूल्यांकन अध्ययन पर एक व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत की है।
- सीएमपीडीआई ने शारदा ओसीपी, सोहागपुर क्षेत्र, एसईसीएल के ट्रैच-1 में 1.5 मेगावाट फ्लोटिंग सौर ऊर्जा संयंत्र को सफलतापूर्वक डिजाइन किया है। यह एसईसीएल का पहला फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट होगा।
- सीएमपीडीआई ने सोसाइटी ऑफ जियो-साइंटिस्ट झारखंड (एसजीएसजे) के सहयोग से सीएमपीडीआई, रांची में 19.10.2024 को "खनिज गवेषण और जल संसाधन प्रबंधन: हालिया रुझान" पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य रणनीतिक

और महत्वपूर्ण खनिज संसाधनों और जल संसाधन प्रबंधन से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करना था, जिसमें सतह और भूजल दोनों शामिल हैं।

- विश्व जल दिवस के अवसर पर 22 मार्च 2025 को सीएमपीडीआई और आईएनसी-आईएएच (इंडियन चैप्टर-इंटरनेशनल एसोसिएशन हाइड्रोजियोलॉजी) द्वारा संयुक्त रूप से एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया था, जिसमें 100 से अधिक प्रतिभागी और टेक्सास विश्वविद्यालय, अमेरिका और इसरो, भारत के प्रतिष्ठित वक्ता शामिल थे।
- वर्ष 2024-25 के दौरान ₹374.65 करोड़ के कुल खरीद मूल्य (वस्तुओं और सेवाओं को मिलाकर) में से एमएसई से खरीद ₹255.54 करोड़ (कुल का 68.2%) थी। एमएसई से खरीद का प्रतिशत अनिवार्य लक्ष्य से काफी ऊपर है।
- वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए GeM से नियोजित खरीद का समझौता ज्ञापन लक्ष्य पूरी तरह से हासिल कर लिया गया है।
- सीएमपीडीआई को सीआईएल, कोलकाता में 50वें सीआईएल स्थापना दिवस 2024 पर 'स्वच्छता पखवाड़ा' श्रेणी में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- कोयला मंत्रालय, नई दिल्ली में आयोजित चिंतन शिविर 2.0, में दो श्रेणियों अर्थात् (i) नई पहल / सर्वोत्तम अभ्यास - "सोलर पैनल" और (ii) नई पहल / सर्वोत्तम अभ्यास - "अपशिष्ट से संपदा" में सीएमपीडीआई को विशेष अभियान 4.0 के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनकर्ता के रूप में दो पुरस्कार प्राप्त हुए।
- सीएसआर (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व): पिछले तीन वर्षों के औसत शुद्ध लाभ के 2% के सांविधिक प्रावधान का लक्ष्य जो कि ₹7.01 करोड़ है, को पूरा किया गया है। डीपीई और सीआईएल के दिशानिर्देशों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 'स्वास्थ्य देखभाल और पोषण' पर प्रमुख ध्यान दिया गया था। वित्तीय वर्ष 2024-25 में शुरू की गई कुछ प्रमुख परियोजनाओं में शामिल हैं:
  - ✓ **सुविधाओं में सुधार के लिए स्वास्थ्य देखभाल और पोषण में परियोजनाएं:**
    - टाटा कैंसर केयर फाउंडेशन (टीसीसीएफ) द्वारा लागू किए जा रहे कैंसर का पता लगाने के लिए रांची कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र (आरसीएचआरसी), रांची में सामाजिक-आर्थिक वंचित लोगों को सहायता प्रदान करना;
    - धनबाद जिले में 2 ब्लॉकों (पूर्व टुंडी और गोविंदपुर) में निःशुल्क आंखों की स्क्रीनिंग और गतिशीलता सहायता शिविरों का आयोजन।
    - **बढ़ते कदम:** क्योर इंडिया संगठन के माध्यम से झारखंड के बच्चों में पॉसेटी विधि के माध्यम से क्लबफुट से विकलांगता का उन्मूलन।
    - **परियोजना समृद्धि:** झारखंड के आदिवासी ब्लॉकों में सामान्य नर्सिंग और मिडवाइफरी (जीएनएम) के माध्यम से स्वास्थ्य देखभाल कौशल विकसित करना।

- टीबी और अन्य बीमारियों से पीड़ित गरीबों और जरूरतमंद लोगों के लिए स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रभावी ढंग से प्रदान करने के लिए रामकृष्ण मिशन टीबी सैनेटोरियम, टुपुदाना, रांची को आवश्यक चिकित्सा सामग्री/उपकरण प्रदान करना।
  - झारखण्ड के रांची जिले के कांके ब्लॉक के तहत बोरिया पंचायत और बुर्मू ब्लॉक के तहत मक्का पंचायत, मुरुपिरी पंचायत और चकमे पंचायत में इनबिल्ट आर.ओ. जल प्रणाली के भीतर वाटर कूलर की स्थापना।
  - महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में अलिम्को द्वारा विकलांग व्यक्तियों और वरिष्ठ नागरिकों को एड्स और सहायक उपकरणों की पहचान और वितरण।
  - छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सीआईएम), बिलासपुर (छत्तीसगढ़) को चिकित्सा उपकरण प्रदान करना।
  - "आहरशाला": स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (एसवीएनआईआरटीएआर) में विकलांग मरीजों, उपस्थित व्यक्तियों, कर्मचारियों और छात्रों के लिए कैंटीन/कैफेटेरिया भवन का प्रावधान।
  - श्रृंगी ऋषि वृद्धाश्रम, सिंगरौली को बुनियादी ढांचा सहायता प्रदान करना।
- ✓ अन्य प्रमुख परियोजनाएं:
- लोक नायक जय प्रकाश पैरा मेडिकल इंस्टीट्यूट, चौपारण, हजारीबाग में नेत्र सहायक में सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त 2 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए 40 युवाओं को प्रायोजित करना।
  - इंडियन ऑयल के कौशल विकास संस्थान, भुवनेश्वर (एसडीआई-बी) में बेकरी मेकिंग पर प्रशिक्षण प्रदान करके 40 बेरोजगार/वंचित युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया गया।
  - सीआईपीईटी, चंद्रपुर के माध्यम से सीआईएल/सीएमपीडीआई के कमांड क्षेत्रों के युवाओं (120 युवा) के लाभ के लिए प्लास्टिक प्रौद्योगिकी में रोजगारोन्मुख कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम।
  - धनबाद में 20 महिलाओं को स्थायी आजीविका के लिए चिकित्सा उपकरण सहायक कौशल प्रशिक्षण।
- इन-हाउस प्रशिक्षण: विभिन्न तकनीकी और गैर-तकनीकी विषयों पर लगभग 829 कर्मचारियों को इन-हाउस प्रशिक्षित किया गया है।
- प्रशिक्षुता प्रशिक्षण: विभिन्न विषयों जैसे मैकेनिकल, सिविल, कंप्यूटर विज्ञान, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, केमिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स आदि के कुल 161 प्रशिक्षुओं, जिनमें 48 डिग्री धारक और 113 डिप्लोमा धारक प्रशिक्षु शामिल हैं, को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए सीएमपीडीआई के विभिन्न क्षेत्रीय संस्थान और मुख्यालय में काम में लगाए गए हैं।